



भारत का राष्ट्रपति The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26] नई विल्लो, शनिवार, जून 25, 1977/अषाढ़ 4, 1899
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 25, 1977/ASADHA 4, 1899

इस भाग में चिह्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय की ओङ्कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (मंत्र नाथ लेख प्रशासनों की ओङ्कर)
के अधीन प्राधिकारियों द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा किए गए ताधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियन आदि सम्बन्धित हैं।

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

नोटिस
NOTICE

सिम्पलिक्षित भारत का कि असाधारण राजपत्र 28 फरवरी, 1977 तक प्रकाशित किया गया/किए गए।
The undermentioned Gazette(s) of India Extraordinary were published up to the 28th February, 1977.

निर्णयन सं. Issue No.	मंद्या तथा तिथि No. and Date	द्वारा जारी Issue by	विषय Subject
33. मा० का० नि० 30(अ) दिनांक 1 विधि व्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय फरवरी, 1977	G.S.R. 50 (E), Dated the 1st Feb., 1977	Ministry of Law, Justice and Company Affairs.	भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पक्षात् निम्नलिखित कम्पनियों के स्पष्ट में विनियिक करनी है जिस पर कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 58-क का कोई उपचरण उस उपचार के प्रयोगनार्थ, आगू नहीं होता।
34. मा० का० नि० 51 (अ) दिनांक 1 राजस्व और बैंकिंग विभाग फरवरी, 1977	G.S.R. 51 (E), Dated the 1st Feb., 1977	Department of Revenue and Banking.	Consultation with the Reserve Bank of India Specified the following companies as the companies to which no provision of Section 58-A of the Companies Act, 1956 shall for the purpose of that Sub-clause apply. भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 198/76 के द्वारा उन्नादन शुल्क सार्विक 16 जून, 1976 में संशोधन।
35. मा० का० नि० 52 (भ) दिनांक 1 मंत्रीपट्टन सचिवालय फरवरी, 1977	G.S.R. 52 (E), Dated the 1st Feb., 1977	Cabinet Secretariat	Further Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking No. 198/76- Central Excises, dated the 16th June, 1976. इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संबंध संख्या का नियन्त्रण) नीता संशोधन विनियम, 1977 है।
			These Regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Fourth Amendment Regulation, 1977.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 मई, 1977

सा० का० लि० 811:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने क्षुण्, राष्ट्रपति आकाशवाणी (थेपी 3 पट) भर्ती नियमावली, 1964 में अनिवार्य संशोधन करने के लिए एक दृष्टान्त निम्नलिखित नियम बनाते हैं, यथार्थः—

1. (1) इन नियमों को आकाशवाणी (थेपी 3 पट) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1977 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम भरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रत्यक्ष होंगी।

2. आकाशवाणी (थेपी 3 पट) भर्ती नियमावली, 1964 की अनुसूची में अनुसंधान महायक के पद से नम्भित अम संख्या 60 के सम्मुख कानून 13 के अन्तर्गत, वर्तमान प्रविधि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधि प्रतिस्थापित की जावेगी, यथार्थः—

“समाचार भेजा प्रभाव के उन स्थायक परिवर्तन पर्याप्तिकों द्वारा मृत्यु सीटर मैकेनिकों से से पटोवर्ति हारा कितवी अपने-प्रपते गेह में तीन वर्ष की बेका हो।”

[संख्या 12019/2/77-बी०(८०)]

प्रम० एन० टंडन, अवार मन्त्रिम

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 27th May, 1977

G.S.R. 811.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, against Serial No. 60 relating to the post of Research Assistant in column 13, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“By promotion from amongst Assistant Transport Supervisors and Head Motor Mechanics in the News Services Division with three years' service in the respective grades.”

[No. 12019. 2/77-B(A)]

M. L. TANDON, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(उक्त-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1977

सा० का० लि० 812.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त भर्तीयों का प्रयोग करने क्षुण् राष्ट्रपति एक दृष्टान्त आकाशवाणी विभाग में वयन पदकाम नियमित के पद की भर्ती की विधि को नियमित करने क्षुण् नियमित नियमावली बनाते हैं, यथार्थः—

1. नघू शीर्षक तथा प्रारम्भः—(1) ये नियम आकाशवाणी (वयन पदकाम नियमित) भर्ती नियमावली, 1977 कहलायेगे।

(2) ये नियम भरकारी राजपत्र में उल्लेख प्रकाशित होने की तारीख से जागू होंगी।

2. वर्गीकरण तथा वेतनमात्रः—उक्त पद का वर्गीकरण तथा उत से राष्ट्रविधिक वेतनमान संकरन अनुसूची के कानून 3 और 4 में दिये गए उल्लेखानुसार होगा।

3. भर्ती का नीरीका, अनु-सीमा, तथा अन्य अर्हताएँ आदि:—उक्त पदों पर भर्ती का नीरीका, अनु-सीमा, अर्हताएँ, तथा इन पदों में सम्मिलित अन्य व्यापारों के कानून 5 से 13 कालमों में दिये गए उल्लेखानुसार होंगा।

4. अपांभवताएँ:—कोई भी गरकारी कर्मचारी—

(क) जिसने जिसी ऐसे व्यक्ति ने विवाह या विवाह का करार किया है जिसकी पहले से ही पर्नी जीवित हो या

(ख) जिसने आपनी पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य व्यक्ति से विवाह या निवाह का करार किया है, उपर्युक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा;

किन्तु यह केवल अपांभवताएँ हम दात की नमल्ली करने के लिए अन्ति सौर विवाह के द्वारा पक्ष पर साग अस्तित्व बनाने के अन्तर्गत ऐसा विवाह स्वीकार्य और ऐसा करने के अन्य धाराएँ हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को हम नियम से छुट दे सकती है।

5. छूट देने वाला अधिकार:—जहां केवलीय सरकार का यह मन हो कि छूट देना आवश्यक या समीचीत है तो वह सम्बद्ध कारणों को गिराउ करके आदेश द्वारा किसी भी वर्ष या थेपी के व्यक्तियों के सम्बन्ध में हम नियमों के किसी भी प्रवधान में छूट दे सकती है।

6. प्रभावार:—इस सम्बन्ध में सम्प्र-सम्प्र पर केवलीय सरकार द्वारा जारी किये गए प्रादेशों के अनुभाव अनुसूचित जातियों, या अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष व्येषियों वाले अन्तियों को दिये जाने वाले आक्षणों और अन्य व्यायामों का हम नियमों में से कोई भी नियम प्रभावित नहीं करेगे।